समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 5

आप भले तो जग भला

श्रीमन्नारायण

भाग – 3

अभ्यासमाला

कीर्ति बसुमतारी

अभ्यासमाला

(अ) सही विकल्प का चयन करो :

1. एक काँच के महल में कितने कुत्ते घुसे थे?

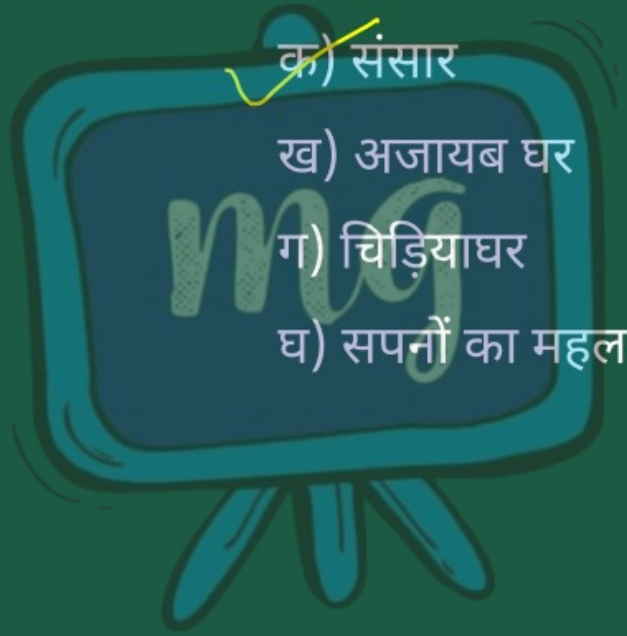
क) एक

ख) दो

ग) एक हजार

घ) कई हजार

2. काँच का महल किसका प्रतीक है?



क) संसार

ख) अजायब घर

ग) चिड़ियाघर

घ) सपनों का महल

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. “निंदक बाबा वीर हमारा, बिनही कौड़ी बहै विचारा। आपन डूबे और को तारे, ऐसा प्रीतम पार उतारे।”

प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता कौन हैं?

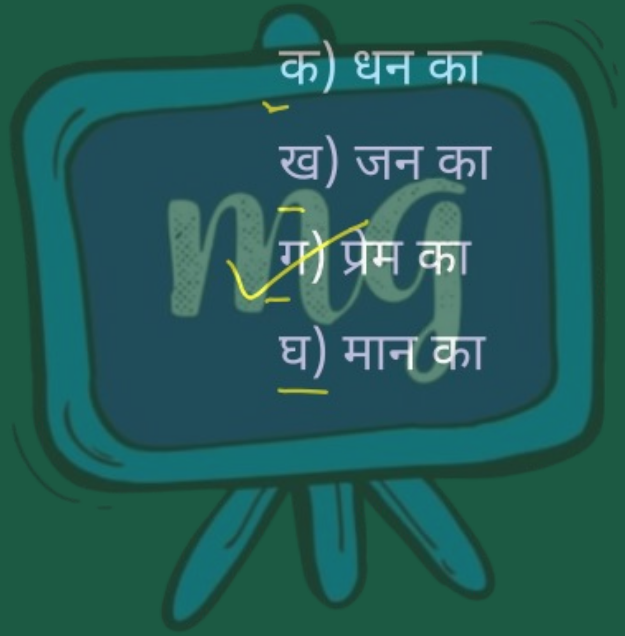
क) कबीर दास

ख) रैदास

ग) विहारीलाल

घ) दादू

4. आदमी भूखा रहता है-



क) धन का

ख) जन का

ग) प्रेम का

घ) मान का

5. गांधीजी ने अहिंसा की तुलना सीमेंट से क्यों की है?

क) अहिंसा से मनुष्य एक साथ रहता है।

ख) अहिंसा किसी को अलग नहीं होने देती।

ग) अहिंसा सीमेंट की तरह एक-दूसरे को जोड़ कर रखती है।

घ) अहिंसा में सीमेंट जैसी ताकत है।

(आ) संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में):

1. दो कुत्तों की घटना का वर्णन करके लेखक क्या सीख देना चाहते हैं?

(आ) संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में):

1. दो कुत्तों की घटना का वर्णन करके लेखक क्या सीख देना चाहते हैं?

उत्तर : लेखक यह सीख देना चाहते हैं कि हमें सदैव दूसरों की अच्छाई को देखना चाहिए और साथ ही साथ अपने अवगुणों पर भी नजर देना चाहिए। अर्थात हम दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे, तो वे भी हमारे साथ अच्छा व्यवहार करेंगे।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. लेखक ने संसार की तुलना काँच के महल से क्यों की है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. लेखक ने संसार की तुलना काँच के महल से क्यों की है?

उत्तर : लेखक ने संसार की तुलना काँच के महल से इसलिए की है क्योंकि काँच के महल में हर ओर अपनी ही छाया दिखाई देती है, वैसे ही संसार में भी मनुष्य के अपने स्वभाव की छाया पड़ती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अब्राहम लिंकन की सफलता का सबसे बड़ा रहस्य क्या था?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अब्राहम लिंकन की सफलता का सबसे बड़ा रहस्य क्या था?

उत्तर : अब्राहम लिंकन की सफलता का सबसे बड़ा रहस्य यह है कि उन्होंने कभी दूसरों की अनावश्यक नुक्ताचीनी कर उनका दिल नहीं दुखाया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. लेखक ने गांधी और सरदार पृथ्वीसिंह के उदाहरण क्या स्पष्ट करने के लिए दिए हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. लेखक ने गांधी और सरदार पृथ्वीसिंह के उदाहरण क्या स्पष्ट करने के लिए दिए हैं?

उत्तर : लेखक ने गांधीजी और सरदार पृथ्वीसिंह के उदाहरण यह स्पष्ट करने के लिए प्रस्तुत किए हैं कि अहिंसा का मार्ग अपनाने के लिए हमें हिंसा का परित्याग कर आपसी सहयोग बढ़ाना होगा। बापूजी स्वयं अहिंसा के उपासक थे, इसलिए उन्होंने 'सीमेंट' का उदाहरण देते हुए समझाया कि अहिंसा एक ऐसा तत्व है जो लोगों को जोड़कर समाज को मजबूत बनाता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. रसोइया ने बिना खबर दिए लेखक के मित्र की नौकरी क्यों छोड़ दी?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

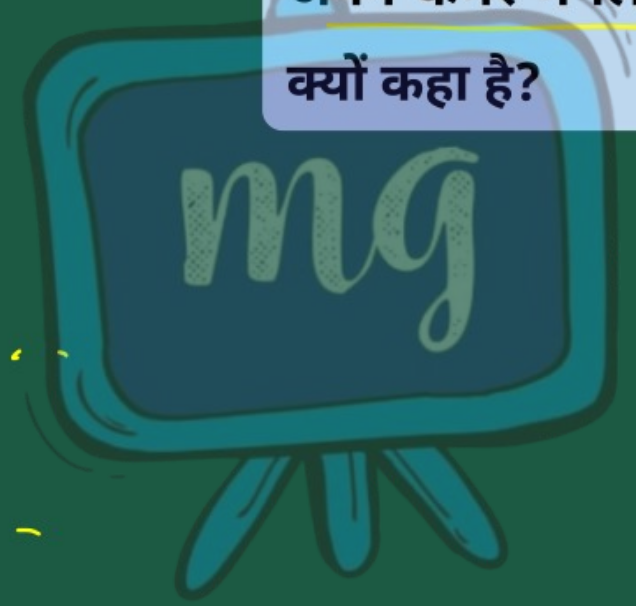
5. रसोइया ने बिना खबर दिए लेखक के मित्र की नौकरी क्यों छोड़ दी?

उत्तर : रसोइया ने बिना खबर दिए लेखक के मित्र की नौकरी इसलिए छोड़ दी क्योंकि सुबह से शाम तक उसको महाशय से डाँट खानी पड़ती थी। जब कोई चीज जरा भी बिगड़ जाती तब उसे दिल खोलकर डाँटा जाता। पर अच्छा भोजन बनने पर कभी तारीफ के दो शब्द न बोले जाते थे ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

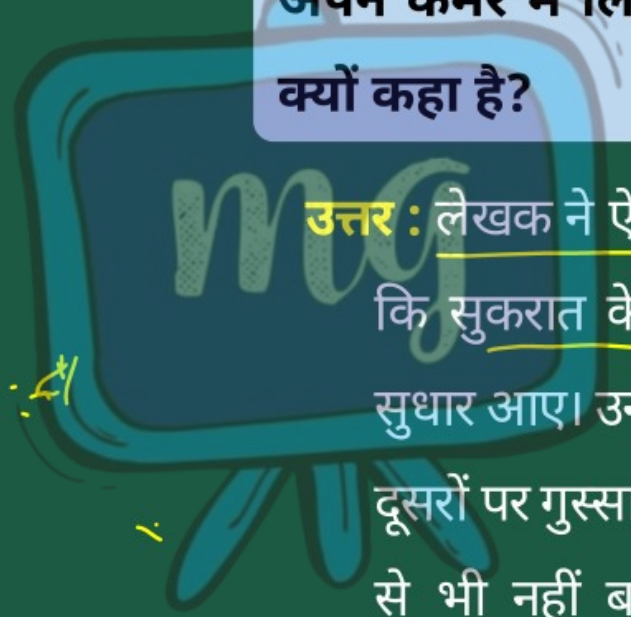
6. “अच्छा हो, सुकरात के इस विचार को मेरे मित्र अपने कमरे में लिखकर टाँग लें।”- लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

6. “अच्छा हो, सुकरात के इस विचार को मेरे मित्र अपने कमरे में लिखकर टाँग लें।”- लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?



उत्तर : लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि वे चाहते हैं कि सुकरात के विचार से उनके मित्र के स्वभाव में सुधार आए। उनका मित्र ज़रा-सी बात पर नाराज़ होकर दूसरों पर गुस्सा निकाल देते थे। इसलिए उनकी किसी से भी नहीं बनती — न मित्रों से, न ऑफिस के कर्मचारियों से, न ही घर के नौकरों से।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो (लगभग 50 शब्द में)

1. अपने मित्र को परेशान देखकर लेखक को किस किस्से का स्मरण हो आता है?

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो (लगभग 50 शब्द में)

1. अपने मित्र को परेशान देखकर लेखक को किस किस्से का स्मरण हो आता है?

उत्तर : अपने मित्र को परेशान देखकर लेखक को उस विशाल काँच के महल का किस्सा स्मरण हो आता है जिस काँच के महल में दो कुत्ते घुस आए थे। पहला कुत्ता अपने ही हजारों प्रतिबिंब देखकर घबरा गया, भौंकने लगा और अंत में डरकर गिर पड़ा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

दूसरा कुत्ता भी वही दृश्य देखता है, लेकिन वह शांत और खुश रहता है। वह दुम हिलाता है, तो उसे भी सभी कुत्ते दुम हिलाते दिखते हैं और वह खुशी-खुशी बाहर आ जाता है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. दुखड़ा रोते रहने वाले व्यक्ति का दुनिया से दूर किसी जंगल में चले जाना क्यों बेहतर है?



2. दुखड़ा रोते रहने वाले व्यक्ति का दुनिया से दूर किसी जंगल में चले जाना क्यों बेहतर है?

उत्तर : यह दुनिया काँच के महल की तरह है—जैसा आपका स्वभाव होगा, वैसा ही प्रतिबिंब आपको संसार में दिखाई देगा। जो व्यक्ति दूसरों के साथ विनम्रता और खुशी से पेश आते हैं, उनके गुणों पर ध्यान देते हैं, दुनिया भी उनसे प्रेम से बर्ताव करती है। लेकिन जो हमेशा गुस्से में रहते हैं और दूसरों को शत्रु मानते हैं, उनके साथ दुनिया भी वैसा ही व्यवहार करती है इसीलिए कहा गया है कि अगर आप हसेंगे तो दुनिया भी आपका साथ देगी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अगर आपको गुस्सा होना और रोना ही है तो दुनिया से दूर किसी जंगल में चले जाना ही बेहतर है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. 'प्रेम और सहानुभूति से किसी को भी अपने वश में किया जा सकता है।' – यह स्पष्ट करने के लिए लेखक ने क्या-क्या उदाहरण दिए हैं?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. 'प्रेम और सहानुभूति से किसी को भी अपने वश में किया जा सकता है।' – यह स्पष्ट करने के लिए लेखक ने क्या-क्या उदाहरण दिए हैं?

उत्तर : 'प्रेम और सहानुभूति से किसी को भी अपने वश में किया जा सकता है।' यह स्पष्ट करने के लिए लेखक ने कई उदाहरण दिए हैं जैसे :

- महात्मा गांधी का उदाहरण: गांधीजी ने अहिंसा को सीमेंट की तरह बताया है, जो लोगों को जोड़कर रखती है। वे मानते थे कि प्रेम और सहानुभूति से ही समाज में एकता बन सकती है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- **काँच के महल का उदाहरण :** लेखक दो कुत्तों की कहानी बताते हैं—एक कुत्ता गुस्सा करता है तो उसे हर जगह गुस्सा ही दिखाई देता है; दूसरा प्रेम और खुशी दिखाता है तो उसे भी वैसा ही प्रेम लौटकर मिलता है।
- **रसोइये का उदाहरण :** लेखक समझाते हैं कि लगातार डाँट और कठोर व्यवहार से रसोइया नाराज़ होकर नौकरी छोड़ देता है। इससे सिद्ध होता है कि कठोरता से कोई अपने वश में नहीं रहता, बल्कि प्रेम और सम्मान से लोग जुड़ते हैं

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- **अमेरिका के मशहूर लेखक इमर्सन और उनकी गाय के बछड़े का उदाहरण :** अमेरिका के मशहूर लेखक इमर्सन और उनका लड़का दोनों मिलकर बारिश में भीगने की डर में एक बछड़े को कुटी के भीतर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। दोनों सारी ताकत लगाकर बछड़े को अंदर नहीं ले जा सके। लेकिन जब बूढ़ी नौकरानी ने प्यार से अपना अँगूठा बछड़े के मुँह में डाला तो बछड़ा चुपचाप कुटी के अंदर चला गया।

4. लेखक ने अपने मित्र की किन गलतियों का वर्णन किया है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. लेखक ने अपने मित्र की किन गलतियों का वर्णन किया है?

उत्तर : लेखक बताते हैं कि उनके मित्र की सबसे बड़ी कमी यह थी कि वे कभी भी दूसरों के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास नहीं करते थे। दूसरों के विचारों, कार्यों और भावनाओं की आलोचना करना ही वे अपनी आदत मान बैठे थे। वे अक्सर दूसरों पर अपना क्रोध उतारते और ज़रा-सी बात पर अपने नौकर को डाँट देते। उनका यह विश्वास था कि उनका ही जीवन, व्यवहार और सोच सर्वोत्तम है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

जो लोग उनका सम्मान नहीं करते, वे उनकी नज़र में हमेशा अज्ञानी और मूर्ख माने जाते थे। इन्हीं कमियों का उल्लेख लेखक ने किया है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. इस पाठ का आधार पर बताओ कि 'हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।'



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. इस पाठ का आधार पर बताओ कि 'हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।'

उत्तर : इस पाठ के आधार पर हमें इन बातो का हमेशा ध्यान रखना चाहिए -

- दूसरों के अच्छे कार्यों की खुलकर तारीफ़ करनी चाहिए, ताकि उन्हें प्रोत्साहन मिले।
- यदि कोई गलती करे, तो उसे क्षमा कर सुधार का एक और अवसर देना चाहिए।
- दूसरों की अनावश्यक आलोचना या नुक्ताचीनी करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उनके मन को ठेस पहुँचती है।

- दूसरों को दोष देने के बजाय हमें अपने भीतर मौजूद कमियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का प्रयास करना चाहिए।
- हिंसा, क्रोध और कटुता के स्थान पर अहिंसा, धैर्य और सौम्यता का मार्ग अपनाना चाहिए।
- प्रत्येक जीव प्रेम का आकांक्षी होता है — इसलिए प्रेम पाना है तो प्रेमपूर्वक व्यवहार करना ही सबसे श्रेष्ठ है ।